



अधिकतम 34 डिग्री
न्यूनतम 29.0 डिग्री



खबर संक्षेप

श्रमिकों के लिए सिंदूर पार्क
में आज लगेगा शिविर

रायगढ़। इतवारी बाजार में साप्ताहिक दुकान लगाने वाले असंगठित श्रमिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने एवं उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से 6 सितंबर को सिंदूर पार्क, इतवारी बाजार रायगढ़ में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर नगर निगम रायगढ़ एवं श्रम विभाग रायगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। शिविर में इतवारी बाजार सहित आसपास के क्षेत्रों में साप्ताहिक रूप से दुकान एवं व्यवसाय करने वाले असंगठित श्रमिकों का पंजीयन एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन कराया जाएगा। पात्र श्रमिकों को उनकी पात्रता के अनुसार शासन की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। श्रमिक शिविर में आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर उपस्थित होंगे। पूर्व से पंजीकृत श्रमिकों के आवेदन भी उनकी पात्रता के अनुसार कराकर उन्हें संबंधित योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।

स्वीकृत कॉलोनियों में ईडब्ल्यूएस भूमि की जांच शुरू, 15 दिनों में देना होगा रिपोर्ट

ईडब्ल्यूएस की जमीन को लेकर कॉलोनाइजर्स की खुलेंगी पोल, 2015 से होगी एक-एक की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

ईडब्ल्यूएस की जमीनों को लेकर अब जिले के कॉलोनाइजर्स की पोल खुलने वाली है। 90 फीसदी कॉलोनियों में इस जमीन को लेकर गड़गबड़ी है, लेकिन पूर्व के अधिकारियों ने इस पर ध्यान ही नहीं दिया। इसके चलते कॉलोनाइजर्स ने मनमानी कर इस जमीन के बदले कुछ धनराशि जमा कर झूटकारा पा लिया।

अब ऐसे कॉलोनाइजर्स की पोल खुलने वाली है। इसके लिए 2015 से अब तक निर्माण और निर्माणाधीन कॉलोनियों की जांच होने वाली है। इसकी रिपोर्ट एसडीएम को 15 दिनों के भीतर देनी होगी। इसके तहत स्वीकृत कॉलोनियों में ईडब्ल्यूएस भूमि के आरक्षण, नामांतरण, मौके की वास्तविक स्थिति तथा संबंधित भूखंडों के उपयोग और विक्रय की



स्थिति की जांच की जाएगी। एसडीएम, निगम आयुक्त, सभी नगर पालिका और नगर पंचायतों के सीएमओ मौके पर पहुंचकर शासकीय अभिलेखों के आधार पर विस्तृत जांच करेंगे। साथ ही उप संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश भी इस जांच में शामिल होंगे, क्योंकि अधिकांश कॉलोनाइजर्स की जांच इनके द्वारा ही की जाती है। जांच साल 2015 से होगी। उस दौर

में मेसर्स गणपती रियालिटी सकती की लामीदरहा, संजय भूषण पाण्डेय व दीपक अग्रवाल की ग्राम सहसपुर स्थित कॉलोनी में स्वीकृत प्रावधानों का वास्तविक रूप से पालन हुआ या नहीं तथा मौके पर भूमि और निर्माण की स्थिति की जांच की जाएगी। वर्ष 2016 में केशव टाउनशीप प्राइवेट लिमिटेड की बोर्डरदादर स्थित कॉलोनी एवं शौर्य प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड की बड़े रामपुर स्थित

हाल में स्वीकृत कॉलोनियों की जांच भी

साल 2026 में स्वीकृत नवीनतम कॉलोनियों को भी जांच के दायरे में रखा गया है। जांच सूची में कोहाकुंडा में बालाजी प्रोजेक्ट्स, विजयपुर में सालासार बिल्डकॉर्न, सुरेश रोहड़ा, नीरज अग्रवाल और दीपक एक्का के प्रकरण शामिल हैं, जहां 9 प्रतिशत विकसित भूखंडों से संबंधित स्थिति की जांच की जाएगी। वहीं सांगीतराई में टियांश कैपिटल सिटी फेस 3 टियांश बिल्डकॉर्न के प्रकरण में ईडब्ल्यूएस भूमि के नामांतरण की स्थिति की जांच जाएगी।

कॉलोनी के प्रकरण में ईडब्ल्यूएस भूमि और नामांतरण से जुड़े अभिलेखों का परीक्षण किया जाएगा। वर्ष 2017 में आकर्षण बिल्डर्स की जगतपुर स्थित कॉलोनी, मेसर्स एलार्थ्स डेवलपर्स की छातामुड़ा स्थित कॉलोनी, भाटिया वाटिका की ग्राम मिट्टुमुड़ा स्थित कॉलोनी और पीजी इंटरप्राइसेस की बड़े अतरमुड़ा स्थित कॉलोनी भी जांच सूची में हैं, जहां ईडब्ल्यूएस भूमि और नामांतरण से जुड़े अभिलेखों का परीक्षण किया जाएगा। वर्ष 2019 में दया सागर मिश्रा की बड़े अतरमुड़ा स्थित

कॉलोनीए श्री साईं ग्रुप की बेन्द्राचुआ स्थित कॉलोनी और शौर्य प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड की बड़े रामपुर स्थित कॉलोनी के ईडब्ल्यूएस भूमि, आश्रय शुल्क और नामांतरण से जुड़े अभिलेखों का परीक्षण किया जाएगा। वर्ष 2020 में बड़े अतरमुड़ा स्थित दया सागर मिश्रा और हलधर चौधरी के प्रकरणों में आश्रय शुल्क संबंधी प्रविष्टियां की जाएगी। वहीं छोटे अतरमुड़ा में मेसर्स जय मां दुर्गा डेवलपर्स, गोवर्धनपुर में मेसर्स वैद्यनाथ बिल्डर्स की कॉलोनी के ईडब्ल्यूएस भूमि, आश्रय शुल्क, वास्तविक स्वामित्व

और नामांतरण से जुड़े अभिलेखों का परीक्षण किया जाएगा। वर्ष 2021 में मेसर्स हरप्रोत इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की घरघोड़ा और कसेया क्षेत्र की कॉलोनियां जांच में शामिल हैं। सुकुलभठली में रजत अग्रवाल के प्रकरण में ईडब्ल्यूएस भूमि से संबंधित नामांतरण दर्ज होने का उल्लेख है और प्रशासन मौके तथा अभिलेखों का मिलान करेगा। पंडरीपानी में एपेक्स रियल इफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड की कॉलोनी की भी जांच होगी। अमलीभौना में मेसर्स टियान्स बिल्डर्स के प्रकरण में आश्रय शुल्क की स्थिति की जांच की जाएगी। वर्ष 2022 में अमलीभौना स्थित बीआर एसोसिएट तथा मेसर्स टियान्स बिल्डर्स के प्रकरण जांच में शामिल हैं। ग्राम छींच में सिमर इंटरप्राइसेस की कॉलोनी की ईडब्ल्यूएस भूमि की जांच की जाएगी।

बंजर पड़ी जमीन में
लहलहाई फसल

रायगढ़। लैलूंगा विकासखंड के ग्राम झारआमा के किसान एतवार साय पैकरा ने आधुनिक तकनीक और उद्यानिकी विभाग की सलाह से खेती में नई मिसाल कायम की है। पहले खेती के लिए अनुपयोगी पड़ी जमीन पर ग्राफ्टेड बैंगन और टमाटर की खेती कर उन्होंने 187 क्विंटल उत्पादन से 4.25 लाख रुपए की आमदनी अर्जित की। खेती की लागत निकालने के बाद किसान को 2.80 लाख रुपए का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। किसान की जमीन गांव से दूर जंगल के पास होने के कारण यहां खेती करना आसान नहीं था। साथ ही सिंचाई की सुविधा का भी अभाव था। उद्यानिकी विभाग की सलाह पर किसान ने भूमि का समतलीकरण कराया और सिंचाई के लिए ड्रिप तथा मल्टिचिंग तकनीक अपनाई। इससे खेती के लिए अनुपयोगी पड़ी जमीन का बेहतर उपयोग संभव हुआ। वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना आरकेबीवाई के तहत किसान ने 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में ग्राफ्टेड बैंगन एवं ग्राफ्टेड टमाटर की खेती की।

विवाद में बड़े भाई पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला

रायगढ़। पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में करीब दो माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। घर के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में आरोपी ने अपने बड़े भाई पर लोहे के कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया था। घरघोड़ा पुलिस ने आरोपी को उसके गांव लौटते ही घेराबंदी कर दबोच लिया। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे का टांगा भी बरामद किया गया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम चिमटापानी निवासी महेत राम राठिया 50 ने 4 जुलाई को घरघोड़ा थाने में रिपोर्ट

दर्ज कराई थी। उसने बताया कि तीन भाइयों के बीच मकान को लेकर विवाद चल रहा था। उसका छोटा भाई रूपधर राठिया 47 मकान पर अपना अधिकार बताते हुए परिवार के सदस्यों को घर से बाहर निकलने की धमकी देता था। 22 जून की शाम महेत राम अपने पिता और रूपधर के साथ घर की परछी में बातचीत कर रहा था। इसी दौरान घर से निकलने की बात को लेकर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि रूपधर ने गाली गलौज करते हुए लोहे के टांगा से बड़े भाई पर हमला कर दिया।

चिटफंड कंपनी के फरार डायरेक्टर जशपुर से गिरफ्तार

रायगढ़। चिटफंड मामले में लंबे समय से फरार चल रहे कंपनी के डायरेक्टर सुनील तिवारी को जशपुर से हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया है। आरोपी पर निवेशकों को कम समय में अधिक रकम लौटाने का झांसा देकर लाखों रुपये जमा कराने और कंपनी बंद कर फरार होने का आरोप है। न्यायालय में पेश किए

जाने के बाद आरोपी को रिमांड पर भेज दिया गया है। घरघोड़ा पुलिस को आरोपी सुनील तिवारी के जशपुर आने की सूचना मिली थी। थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम ने 3 सितंबर 2026 को जशपुर पहुंचकर उसे अभिरक्षा में लिया और घरघोड़ा थाने लाकर पुछताछ की। मामला वर्ष 2017 में सामने आया था। नवापारा

घरघोड़ा निवासी लालबाबू गुप्ता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि राजकुमार कोसे द्वारा संचालित शुष्क इंडिया लिमिटेड लोगों को अधिक मुनाफे का लालच देकर मासिक किस्त और फिक्स डिपॉजिट के माध्यम से रकम जमा करा रही थी। शिकायतकर्ता सहित कई लोगों ने कंपनी में निवेश किया था। वर्ष 2016

में कंपनी संचालक निवेशकों की रकम लौटाए बिना फरार हो गया। बाद में कंपनी बंद होने और मामला चलने का हवाला देकर रकम लौटाने से इनकार किया गया। पुलिस ने वर्ष 2017 में घोखाधड़ी और छत्तीसगढ़ निक्षेपकों के हितों के संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

TECNO

SPARK Go 3^{PRO}
DESH JAISA DUMDARR

SCAN TO KNOW MORE

Available at
All Retail Stores
Near You...

Assured Cashback*



Buy at ₹2499/Month with 12 Months No Cost EMI*



**T&C apply



LAXMI ELECTRONICS & SHOPPING MALL |

Malviya Road, Raipur, Ph: 0771-2210000 Mo: 7000477757, Main Road, Katora Talab, Raipur, Mo: 9826139800

JAI BABA KISHARAM ENTERPRISES

AUTHORISED DISTRIBUTOR (C.G.) - Mr. Rajesh Vaswani 9893090009

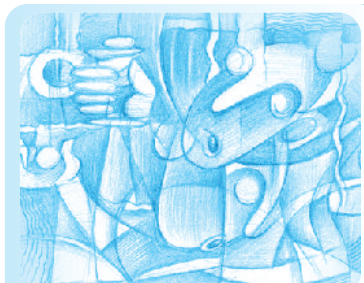
7828002600, 9575832859,
9893314137



कवर स्टोरी / थिस्वर चंद जैन

आजकल खाली समय बिताने के लिए लोग अपने स्मार्टफोन पर रील बहुत देखते हैं। इसका नतीजा होता है समय की बर्बादी, आंखों की रेशानी पर बुरा असर और स्ट्रेस। माना कि आज की भाग-दौड़ भरी इस जिंदगी में हम सब 'सुकून' की तलाश में हैं और थोड़ा हंसना-मुस्कुराना चाहते हैं। मगर इसके लिए सोशल मीडिया पर रील्स स्कॉल करने की बजाय रियल लाइफ की कुछ रियली मजेदार एक्टिविटीज को आजमाएं तो मानसिक शांति का एक बिल्कुल नया लेवल और ताजगी का अनुभव किया जा सकता है।

पेड़-पौधे से करें बातें: अपनी कॉलोनी या फिर नजदीकी पार्क में लगे या सड़क किनारे उगे किसी बड़े या पुराने पेड़ के पास बैठिए। अपनी उलझनें उसे धीरे से बोलकर बताइए, जैसे वह कोई मूक मार्गदर्शक हो। पेड़ पौधों से बातचीत करना वाकई सुकून देता है। जापान में 'शिनरिन-योकू' पर की गई रिसर्च के अनुसार, पेड़-पौधों के साथ समय बिताने और उनसे बात करने से हमारे ब्रेन की अल्फा वेव्स सक्रिय होती हैं, जो गहरी शांति का अहसास कराती हैं। ब्रिटेन की रॉयल हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी के एक सर्वे में पाया गया कि 70 प्रतिशत लोग, जो पौधों से नियमित बात करते हैं, वे दूसरों की तुलना में अधिक शांत और खुश रहते हैं। पौधे आपको बात बिना



कविता

पुरुषोत्तम व्यास

बहुत मुश्किल-सा लगने लगा

कितने शब्दों के बीच	कितने झपट के बीच
कितने दिवारों के बीच	जीना श्रम अग्रने को बचाना
कितने थपेड़ों के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने जालों के बीच	कितनी प्रसन्नता के बीच
जीना श्रम अग्रने को बचाना	कितने सम्झौतों के बीच
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।	कितने अग्रमार्ग के बीच
कितनी घृणा के बीच	कितने सम्मानों के बीच
कितनी ईर्ष्या के बीच	जीना श्रम अग्रने को बचाना
कितनी कुसंगत के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी तलाश के बीच	कितने शत्रुओं के बीच
जीना श्रम अग्रने को बचाना	कितने मित्रों के बीच
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।	कितने भ्रमों के बीच
कितने बदबोलेपन के बीच	कितने सपनों के बीच
कितनी श्राल्मपराश के बीच	जीना श्रम अग्रने को बचाना
कितने कपट के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।

पुस्तक चर्चा / अनुराग गनीट

ओम निश्चल की गजलगोई

समकालीन हिंदी गजल के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं ओम निश्चल। हाल में विज्ञान भूषण के संपादन में ओम निश्चल की गजलगोई पर केंद्रित पुस्तक 'गजलगोई : ओम निश्चल' प्रकाशित होकर आई है।

यह पुस्तक ओम निश्चल की रचनात्मक यात्रा, काव्य-दृष्टि और उनकी गजलगोई के विविध आयामों का समग्र मूल्यांकन तो प्रस्तुत करती ही है, उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डालती है। पुस्तक में ज्ञान प्रकाश विवेक, डॉ. हरेराम पाठक, डॉ. वेदमित्र शुक्ल, डॉ. भावना शेखर, डॉ. आनंद वर्धन द्विवेदी, आयुष जयवर्धन, आरती आस्था, सरस्वती रमेश और संपादक समेत 16 रचनाकारों ने ओम निश्चल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आलोचनात्मक दृष्टि से अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। खास बात यह है कि इस आलोचनात्मक पुस्तक को पढ़ते हुए पाठक, ओम निश्चल की विभिन्न गजलों-गीतिकाओं से उद्भूत बेहतरीन शेरों से भी रू-ब-रू हो पाएंगे, जिसका प्रयोग विभिन्न लेखों में संदर्भ के तौर पर किया गया है। प्रसिद्ध साहित्यकार ज्ञान प्रकाश विवेक ओम निश्चल के बहुआयामी व्यक्तित्व के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं, जिसमें एक संवेदनशील,

रील नहीं रियल एक्टिविटीज को दें टाइम फील करेंगे हैप्पीनेस-मिलेगा सुकून

हम में से अधिकतर लोग जरा भी फ्री टाइम मिलने पर सोशल मीडिया पर रील स्कॉल करने लगते हैं। इससे कई फिजिकल और मेंटल प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इसके बजाय अगर हम कुछ इंटेस्टिंग फिजिकल एक्टिविटीज करें तो न केवल फिजिकली-मेंटली हेल्दी रहेंगे, खुशी महसूस करेंगे, साथ ही लाइफ में सुकून का भी अनुभव करेंगे। इन एक्टिविटीज के बारे में जानिए।

किसी जजमेंट के सुनते हैं। सुकून देगी संगीत की धुन: अपनी पसंद का कोई इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक जैसे बांसुरी या सितार की धुन सुनिए। उस धुन के उतार-चढ़ाव को महसूस कीजिए। जब धुन ऊंची हो, तो अपनी खुशी जाहिर कीजिए, जब धीमी हो, तो उदासी। हार्वर्ड हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, संगीत केवल सुनने की चीज नहीं है, यह दिमाग के न्यूरोन्स के साथ संवाद करता है। एक सर्वे में पाया गया कि जो लोग इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक सुनते हुए अपनी भावनाओं को उस धुन के साथ बहने देते हैं, उनका ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और मन की उलझनें स्वतः सुलझने लगती हैं।

रात के आसमान में निहारें चांद-सितारे: रात के समय छत, आंगन या बालकनी में खाट बिछाकर लेट जाइए। आसमान के तारों या चांद को देखकर अपनी छिपी हुई इच्छाएं या वो बातें कह डालिए, जो आप किसी इंसान से नहीं कह सकते। खगोल-मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, जब इंसान ब्रह्मांड की विशालता को देखता है और उससे मानसिक संवाद करता है, तो उसके भीतर 'ऑ' (विस्मय) की भावना पैदा होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के एक सर्वे के मुताबिक, इस 'ऑ' इफेक्ट से इंसान की अपनी परेशानियां बहुत छोटी लगने लगती हैं। यह कॉस्मिक संवाद आपके अहंकार को शांत करता है और मन को असीम सुकून देता है।

डायरी के कोरे पन्ने: अपनी डायरी को एक जीवित दोस्त मानिए। पेन उठाइए और पन्नों से कहिए, 'आज मेरा दिन बहुत अजीब रहा, सुनो।' और लिखना शुरू कर दीजिए। एक्सप्रेसिव राइटिंग के जनक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के एक शोध के अनुसार, जब हम कागज और कलम के माध्यम से संवाद करते हैं, तो यह हमारे मस्तिष्क के 'अमिगडाला' (डर और तनाव का केंद्र) को शांत करता है। सच बताते हैं कि जो लोग रात को सोने से पहले डायरी से 'बात' करते हैं, उनकी नींद की गुणवत्ता में 35 प्रतिशत का सुधार होता है। कागज कभी आपकी बात काटता नहीं, बस सब समेट लेता है।

देखें अपने बचपन की तस्वीर

जब टाइम मिले, अपने बचपन और किशोरावस्था की तस्वीरों को सामने रखिए। उनसे वैसे ही बात कीजिए जैसे आप किसी मासूम बच्चे से करते हैं। उनसे पूछिए, 'क्या मैं वैसा ही बना जैसा बनना चाहता था?' अमेरिकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के कुछ शोध बताते हैं कि 'इनर चाइल्ड होलिंग' मानसिक तनाव को कम करने का सबसे अचूक तरीका है। एक सर्वे के अनुसार, जब लोग अपने बचपन की तस्वीर को देखकर खुद से सकारात्मक बातें करते हैं, तो उनके शरीर में कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर 22 प्रतिशत तक कम हो जाता है। यह संवाद आपको अपनी जड़ों से जोड़ता है और वर्तमान की असफलताओं के बोझ को हटका करता है।

बेजुबानों से करें बात

अपने पालतू या गली में भटकने वाले किसी आकार कुत्ते या बिल्ली की आंखों में देखकर बस दो मिनट अपने मन की बात कीजिए। 'ट्युमन-एनिमल बॉन्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के एक वैश्विक सर्वे के अनुसार, बेजुबान जानवरों से बात करने या उन्हें सहलाने से मानव शरीर में ऑक्सीटोसिन (लव हार्मोन) और डोपामाइन का साव तेजी से बढ़ता है। 84 प्रतिशत पेट और स्ट्रीट एनिमल फ्रीडर्स ने माना कि इन बेजुबानों से दो मिनट की बातें उनके पूरे दिन के वर्क-स्ट्रेस को घुटकियां में गायब कर देती हैं। उनकी मूक प्रतिक्रिया में जो विश्रुतता होती है, वही हमें सुकून प्रदान करता है।



खुद से भी कीजिए बातें: आईने के सामने खड़े हो जाइए। अपनी ही आंखों में आंखें डालिए और खुद का हाल-चाल पूछिए, 'तुम कैसे हो? थक गए हो क्या?' 'मिरर मेंडेटेशन' पर कोलंबिया यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि खुद को आईने में देखकर बात करने से आत्म-करुणा बढ़ती है। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत युवाओं ने माना कि जब वे आईने में खुद को सांत्वना देते हैं या अपनी तारीफ करते हैं, तो उनका सोशल एंजाइटी का स्तर काफी हद तक घट जाता है। दुनिया को सुनने वाले कान, कभी खुद की आवाज भी सुनना चाहते हैं।

बारिश की बूंदों से मिलाएं लय: जब बारिश हो रही हो या आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसों को लें। मनोवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंजाइटी अटेक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है। कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्कॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *

जोड़िए और इनका आनंद लीजिए। मैरीन बायोलॉजिस्ट वॉलेस जे. निकोल्स ने अपनी किताब 'ब्लू माइंड' में साबित किया है कि पानी के पास रहने और उसके संगीत से संवाद करने से हमारा दिमाग एक ध्यानपूर्ण अवस्था में चला जाता है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंजाइटी अटेक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है। कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्कॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *



मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

टेक्नोलाइफ

अजू जैन

इस बात में कोई दो राय नहीं कि गैजेट्स ने निश्चित रूप से हमारी दुनिया को आसान और सुलभ बनाया है, लेकिन इसकी कीमत हमें अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत से चुकानी पड़ रही है। आज हम किसी भी सवाल का जवाब जानने के लिए अपनी बुद्धि पर जोर नहीं देते। एक साधारण क्लिक से दुनिया भर की जानकारी हमारे सामने आ जाती है। विज्ञान इस स्थिति को 'डिजिटल एमनेशिया' या 'गूगल इफेक्ट' कहता है। यदि हम समय रहते सचेत नहीं हुए और अपने दिमाग

को गुलाम बन जाएंगी। क्या है गूगल इफेक्ट: डिजिटल एमनेशिया या गूगल इफेक्ट एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जहां लोग जानकारी को इसलिए भूल जाते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसे ऑनलाइन आसानी से खोजा जा सकता है। हम तथ्यों को याद रखने के बजाय अब केवल यह याद रखते हैं कि उन तथ्यों को खोजना कहाँ है। मस्तिष्क एक मांसपेशी की तरह है। यदि इसका उपयोग नहीं किया जाएगा, तो यह कमजोर होने लगता है। इससे हमारी जैविक स्मृति धीरे-धीरे सुस्त होने लगती है।

स्मार्टफोन बना एक्सटर्नल ड्राइव: प्राचीन काल में लोग लंबी कविताएं, धार्मिक ग्रंथ और ऐतिहासिक घटनाएं जुबानी याद रखते थे। कुछ दशक पहले तक लोगों को अपने करीबियों के दर्जनों फोन नंबर और पते याद होते थे। आज स्थिति यह है कि लोगों को अपने परिवार के सदस्यों के नंबर भी याद नहीं रहते। स्मार्टफोन अब हमारी यादशत के लिए एक

निश्चित ही डिजिटल गैजेट्स ने हमारी डेली लाइफ को बहुत ईजी बना दिया है। लेकिन इसका ओवरयूज हमारी मेमोरी और इंटेलिजेंस पावर पर बुरा असर भी डाल रही है। इस बारे में जानने के साथ ही हमें इससे बचने के उपायों पर भी अमल करना जरूरी है।

मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

'एक्सटर्नल हार्ड ड्राइव' बन गए हैं। हम अपनी रोजमर्रा की नियुक्तियों, जन्मदिनों, बिलों के भुगतान की तारीखों और यहां तक कि साधारण गणनाओं के लिए भी रिमाइंडर्स और एप्स पर निर्भर हैं। **मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में बदलाव:** मानव मस्तिष्क में 'न्यूरोप्लास्टिसिटी' का गुण होता है, जिसका अर्थ है कि यह अनुभवों और आदतों के अनुसार खुद को ढाल लेता है। जब हम लगातार गैजेट्स का उपयोग करते हैं, तो मस्तिष्क की सूचनाओं को सहेजने वाली न्यूरोन कोशिकाएं कमजोर होने लगती हैं। इसके परिणामस्वरूप, मस्तिष्क सूचनाओं को शॉर्ट-टर्म मेमोरी से लॉन्ग टर्म मेमोरी में स्थानांतरित करना बंद कर देता है।

जी. पी. एस. पर बढ़ती निर्भरता: पहले लोग रास्तों को याद रखने के लिए लैंडमार्क्स, दिशाओं और अपनी स्थानिक समझ का उपयोग करते थे। इससे मस्तिष्क का 'हिप्पोकैपस' हिस्सा सक्रिय रहता था, जो यादशत और दिशा-ज्ञान के लिए जिम्मेदार है। आज जी. पी. एस. और गूगल

मैप्स ने इस क्षमता को पूरी तरह से हाईजेक कर लिया है। बिना सोचे-समझे स्क्रीन पर दिखाई देने वाले तीरों का पालन करने से हमारी खुद की रास्तों को याद रखने की क्षमता खत्म हो रही है।

बच्चों के मानसिक विकास पर प्रभाव: मेमोरी पावर में कमी की यह समस्या वयस्कों से कहीं ज्यादा नई पीढ़ी या बच्चों को प्रभावित कर रही है। जो बच्चे गैजेट्स के साथ बड़े हो रहे हैं, वे स्पेलिंग, पहाड़े और बुनियादी गणनाओं के लिए भी स्क्रीन पर निर्भर हैं। शारीरिक खेलों और किताबों से दूरी के कारण उनकी कल्पनाशीलता और याद रखने की क्षमता का विकास नहीं हो पा रहा है। *

(मनोचिकित्सक डॉ. संजय गर्ग से बातचीत पर आधारित)

गैजेट्स के इस्तेमाल में संतुलन की आवश्यकता

गैजेट्स आधुनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं और उन्हें पूरी तरह छोड़ना संभव नहीं है। समाधान इस बात में है कि हम तकनीक का उपयोग अपनी यादशत को बढ़ाने के लिए करें, न कि उसे बदलने के लिए। हमें जागरूक होकर कुछ कदम उठाने होंगे।

- ▶ फोन नंबर, कैलेंडर की तारीखें और महत्वपूर्ण पते जुबानी याद रखने का प्रयास करें।
- ▶ सप्ताह में कम से कम एक दिन या दिन के कुछ घंटे गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहें।
- ▶ स्कॉल के बजाय कागजी किताबें पढ़ने की आदत डालें, जिससे एकाग्रता बढ़ती है।
- ▶ किसी भी पल को कैमरे में कैद करने से पहले अपनी आंखों और अनुभव के जरिए दिमाग में दर्ज करें।

सीनियर घोटालेबाज से नवोदित भ्रष्टाचारी की मुलाकात

नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा। लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया।

दामन पाक-साफ है किंतु सभी को ज्ञात था कि वह अंदर से मटमैला था। वह भ्रष्टाचार के सरोवर में डुबकी लगाने की लत से मजबूर था। जिस तरह पानी अपनी ढाल की तरफ बहता है और पैसा पैसे को खींचता है, उसी तरह एक भ्रष्टाचारी भी निर्वेख होकर अपने नहाने के लिए समुचित घाट की तलाश स्वयमेव कर लिया करता है। उसने भी यह तलाश

पूरी कर ली थी। एक रोज वह भ्रष्टाचार के सरोवर के प्रदूषण घाट से डुबकी मारकर वापस लौट रहा था। तभी राह में उसको एक सीनियर भ्रष्टाचारी मिल गया। वह सीनियर एक वरिष्ठ घोटालेबाज के नाम से कुख्यात था। वह जमीन से जुड़ा हुआ था, इसके चलते जीवन में महत्वाकांक्षाओं की स्वनिर्धारित सीमा से कभी भी



साहित्य के प्रति समर्पित, जिंदादिल-गरिमापूर्ण व्यक्तित्व झलकता है। वे लिखते हैं, 'वो एक व्यक्ति नहीं प्रवाह का नाम है। ...ओम निश्चल में एक इनबिल्ट डिस्प्रिजिन है। वो जो भी काम करते हैं, संपूर्णता और एकाग्रता के साथ करते हैं।' डॉ. हरेराम पाठक ओम निश्चल की गजलों को समय से काफी आगे मानते हैं, वे लिखते हैं, 'गजल में लाक्षणिक प्रयोग और व्यंग्यार्थ का अचूक प्रयोग होते देखकर सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि ओम निश्चल की गजलों समसामयिकता के दायरे से बहुत आगे निकल चुकी हैं।' डॉ. भावना शेखर, ओम निश्चल के काव्य संग्रह 'मेरा दुख सिरहाने रख दो' की चर्चा करते हुए लिखती हैं, 'किताब से गुजरते हुए गजल और गीतिका की गंगा-जमुनी धार में डूबते-उतरते पाठक को दुष्यंत कुमार से लेकर अदम गोंडवी तक कितने ही गजलकारों की शायरी का आस्वाद मिलता है।' संपादक विज्ञान भूषण के लेख 'गजलगोई का नया मुहावरा गद्दती गजलें' में ओम निश्चल की गजलों के सौंदर्य, संवेदना, सामाजिक सरोकार, भाषिक प्रयोग, शिल्प तथा वैचारिक गहराई का सूक्ष्म, बहुआयामी एवं सम्यक विश्लेषण है। *

पुस्तक: गजलगोई : ओम निश्चल (आलोचना), संपादक: विज्ञान भूषण, मूल्य: 449 रुपए, प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

लघुकथा / तनुजा चौबे

उपेक्षा से प्रेरणा



समय मिले रिजेक्शन ने ही मुझे अपनी राह चुनने और अपनी योग्यता को साबित करने का साहस दिया था।' यह सुनकर पुराने मालिक के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। *

अभय ने नौकरी छोड़कर अपना स्टार्टअप शुरू कर दिया। उसने पूरी लगन से काम किया। वर्षों की मेहनत रंग आई और एक दिन उसके स्टार्टअप को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। पुरस्कार देने वही पुराने मालिक आए। पुरस्कार देते हुए उन्होंने अभय से कहा, 'आज तुम जिस मुकाम पर हो, तुम्हारी योग्यता ने ही तुम्हें यहां तक पहुंचाया है।' अभय मुस्कुराया, 'सर, आपकी बात ने आज मुझे वर्षों पीछे पहुंचा दिया। शायद उस

खबर संक्षेप

शिक्षक केवल शिक्षा नहीं देते बल्कि संस्कार व व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं



रायगढ़। देश के प्रथम राष्ट्रपति सर्वपल्ली डा. राधाकृष्णन का जन्म दिन ओपी जिंदल स्कूल राबो में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में ओपी जिंदल स्कूल राबो के अलावा सीएसआर के अंतर्गत संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय कोचिंग सेंटर के शिक्षक भी शामिल हुए। सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं का जेपीएल द्वारा घन और गिरफ़ देकर सम्मानित किया गया। 5 सितंबर को आयोजित शिक्षक दिवस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में नृत्य, गीत व भाषण प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति अपने समर्पण को प्रस्तुत किया। इसके बाद ओपी जिंदल स्कूल राबो के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार, अनुशासन एवं उनके उज्जवल भविष्य की नींव रखते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वेसदैव ही अपने शिक्षकों का सम्मान करें। प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार ने बताया कि डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का शिक्षा, दर्शन एवं राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके विचारों ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इसलिए उनके जन्म दिवस 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सर्पदंश से गंभीर महिला की गई जान

अम्बिकापुर। प्रतापपुर थाना अंतर्गत ग्राम पंपापुर धरमपुर निवासी फूलकेन टेकाम पति मलकू राम टेकाम (31 वर्ष) गुरूवार की रात भोजन करने के पश्चात बच्चों के साथ सो रही थी। इसी दौरान तड़के 4 बजे अचानक उठी और परिजन को बताई की उसके पीठ में कुछ काट लिया है। परिजन जब बिस्तर में देखे तो करैत सांप नजर आया। परिजन महिला को तत्काल किराए के वाहन से शहर के मिशन अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्मा कायम करने के पश्चात लाश का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

जहरीले जीव के काटने से गंभीर युवक की गई जान

अम्बिकापुर। खाट पर सो रहे युवक को जहरीले जीव ने काट लिया। परिजन युवक को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने जांच उपरांत युवक को मृत घोषित कर दिया। बैकुंठपुर थाना अंतर्गत सत्तीपारा निवासी संतोष कुमार आ. रंगलाल (17 वर्ष) गुरूवार को जिला अस्पताल में भर्ती दादी को भोजन पहुंचाने के पश्चात घर आकर सो गया। तड़के लगभग 3 बजे शोश मचाने लगा। युवक की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो युवक ने कान में काटने की बात बताई। परिजन बिस्तर में देखे तो कुछ नजर नहीं आया।

जलाशयों में 91.6 फीसदी पानी, 80 जलाशय 75 से 100 प्रतिशत तक भरे

हरिभूमि न्यूज़

►► रायगढ़

जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच जलाशयों में पानी की स्थिति संतोषजनक बनी हुई है। जल संसाधन विभाग की 31 अगस्त तक की टैंक गेज रिपोर्ट के मुताबिक रायगढ़ और सारंगढ़-बिलाईगढ़ क्षेत्र के अधीनस्थ

■ लगातार बारिश से बढ़ा जलाशयों का जलस्तर, 19 में 50-75 फीसदी पानी	मध्यम एवं लघु जलाशयों की कुल उपयोगी जलभराव क्षमता 91.632 मिलियन घन मीटर है। इसके मुकाबले 31 अगस्त तक जलाशयों में 83.965 मिलियन घन मीटर पानी दर्ज किया गया है। इस तरह कुल उपयोगी क्षमता का करीब 91.6 प्रतिशत पानी जलाशयों में मौजूद है। रिपोर्ट में कुल 114 जलाशयों और योजनाओं की जलभराव स्थिति दर्ज की गई है। इनमें से बड़ी संख्या में जलाशय अपनी उपयोगी क्षमता के 75 प्रतिशत से अधिक भर चुके हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार 80 जलाशय 75 से 100 प्रतिशत तक भरे हुए हैं। वहीं 19 जलाशयों में 50 से 75 प्रतिशत, 10 जलाशयों में 25 से 50 प्रतिशत और
---	--



5 जलाशयों में 0 से 25 प्रतिशत तक पानी दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार रायगढ़ जिले के कई छोटे जलाशय पूरी तरह भर चुके हैं। खरसिया क्षेत्र के मांड मध्यम व्यपवर्तन में उपयोगी जलभराव क्षमता 3.100 मिलियन घन मीटर के मुकाबले 3.100 मिलियन घन मीटर पानी दर्ज किया गया है। इसी तरह टीपाखोला जलाशय में 3.315 मिलियन घन मीटर की उपयोगी क्षमता के मुकाबले 3.311 मिलियन घन मीटर पानी है, यानी करीब 100 प्रतिशत जलभराव है। भगोरा

जलाशय में 87 प्रतिशत, पथरामुड़ा में 100 प्रतिशत, कृष्णापुर में 74 प्रतिशत, सियारपाली में 100 प्रतिशत, सरवानी में 82 प्रतिशत और भोजबन्धान जलाशय में 100 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया है। बोकरामुड़ा, कंठीठार और कुछ अन्य जलाशय भी पूरी क्षमता तक पहुंच चुके हैं। खरसिया क्षेत्र के कई जलाशयों में भी पानी का स्तर अच्छा है। बिलासपुर जलाशय में 2.883 मिलियन घन मीटर की उपयोगी क्षमता के मुकाबले 2.714 मिलियन घन मीटर पानी दर्ज है,

देर रात काउंटर एफआईआर दर्ज होने के बाद लौटे परिजन व कांग्रेसी

उपसरपंच की रिहाई की मांग, 12 घंटे तक थाने में चला प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज़

►► रायगढ़

ग्राम पंचायत तारापुर में आगामी 10 सितंबर से पहले उपसरपंच की गिरफ्तारी को लेकर विरोध करीब 12 घंटे तक चलता रहा। सुबह से जारी धरना देर रात करीब 12 बजे खत्म हुआ और अंततः सरपंच के खिलाफ भी काउंटर एफआईआर दर्ज किया गया। वहीं दूसरी ओर गिरफ्तारी किए गए उपसरपंच को न्यायालय में पेश किया गया।

गौरतलब है कि तारापुर ग्राम पंचायत में उपसरपंच राजीव डनसेना सहित पंचगणों ने सरपंच डिग्रीलाल सिदार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने को लेकर आवेदन किया था, जिसके बाद उनके इस आवेदन पर स्वीकृति दी गई। इसके तहत आगामी 10 सितंबर को इस संदर्भ में अविश्वास प्रस्ताव पारित करने के लिए चुनाव होना है। किंतु इससे पहले ही सरपंच डिग्रीलाल सिदार ने कोतरा रोड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि बीते 15 अगस्त को



उपसरपंच ने उसके साथ पुरानी रंजिश को लेकर जातिगत गाली गलौज की थी। इस रिपोर्ट के दर्ज होने के बाद पुलिस ने उपसरपंच को गिरफ्तार कर थाने ले आई। इस बात की

जानकारी परिजन व ग्रामीणों को मिलते ही वे सुबह करीब 11 बजे थाने पहुंच गए और गिरफ्तारी का विरोध करने लगे। जिसके बाद खरसिया विधायक उमेश पटेल, पूर्व विधायक

रायगढ़ प्रकाश नाथक सहित अन्य कांग्रेस के नेता भी वहां पहुंच गए और काउंटर एफआईआर दर्ज करने सहित उचित कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। स्थिति यह हो गई थी देर रात तक यह धरना प्रदर्शन चलता रहा। जिसके बाद रात करीब 12 बजे सरपंच के खिलाफ भी काउंटर एफआईआर दर्ज किया गया। जिले में ऐसा पहली बार हुआ जब कोई विधायक लगातार 12 घंटे तक थाना परिसर में धरने पर बैठे हों। इस दौरान उमेश पटेल ने कहा कि राजनीतिक दबाव के चलते उप सरपंच की गिरफ्तारी की गई है। दबी जुबान में पुलिस भी इसे मान रही है, लेकिन वे अपनी नौकरी के वजह से चुप रहने को मजबूर हैं। यह साबित भी हो चुका है कि जिस दिन विवाद होने की बात कही जा रही है उस दिन उप सरपंच वहां मौजूद ही नहीं थे, ऐसे में यह धरनाई पूरी तरह से गलत है। वहीं दूसरी ओर अब अविश्वास प्रस्ताव की तिथि को भी बढ़ाने को लेकर ग्रामीण पुनः आवेदन करने की तैयारी में हैं।

स्वाइन फ्लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क

रायगढ़। जिले में स्वाइन फ्लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क है। संभावित मरीजों की समय पर पहचान, जांच और उपचार सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। जिला चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज में स्वाइन फ्लू के मरीजों के उपचार के लिए अलग अलग 10-10 बिस्तरों की व्यवस्था की गई है। आवश्यकता पड़ने पर बिस्तरों की संख्या बढ़ाई भी जा सकेगी। स्वाइन फ्लू के संभावित मरीज मिलने की स्थिति में उपचार के लिए जिले में आवश्यक स्वास्थ्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। संदिग्ध मरीजों को अन्य मरीजों से अलग रखकर उपचार देने के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है। जरूरत के अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। स्वाइन फ्लू के संदिग्ध मरीजों की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवश्यक तैयारियां की गई हैं।

सांकरा में भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ा पर्व दहीकादो में उमड़े श्रद्धालु

सरिया। दहीकादो भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ा पर्व है। जन्माष्टमी की रात कान्हा के जन्मो के बाद अगले दिन सांकरा गांव के गलियों में एक बार फिर कृष्ण की बाल लीलाओं के रंग में रंग गई। सड़कों पर ढोल ताशों की थाप सुनाई दिया और गोविंदा आलार के जयकारे गुंजते रहे। ऊंचाई पर टंगी मटकी और उसे फोड़ने के लिए मानव पिरामिड उत्सव की सबसे बड़ी खासियत रहा। सरिया से 12 किलोमीटर दूर उड़ीसा राज्य से गिरा हुआ छत्तीसगढ़ का एकमात्र भगव सांकरा में विगत 131 वर्षों से भगवान श्री कृष्ण की याद में जन्माष्टमी के दूसरे दिन दहीकादो उत्सव का आयोजन होता आ रहा है। आज शनिवार 5 सितंबर को भी गांव में दहीकादो उत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। दही हांडी या दहीकादो की परंपरा यहां सन 1895 से प्रारंभ हुआ



है। जब गांव के कुछ लोग पैदल यात्रा कर वृंदावन धाम पहुंचे थे। वहां से कृष्ण जन्माष्टमी देखकर अपने गांव लौटने पर गांव के चौपाल में यात्रा वृतांत का वर्णन किया। तब से लेकर अब तक 131 सालों से यहां कृष्ण जन्माष्टमी के दूसरे दिन दहीकादो उत्सव श्रद्धा भक्तित एवं उन्हास के साथ मनाया जा रहा है। गांव के युवा कन्हैया और उनके सखाओं के साथ मिलकर मानव पिरामिड बनाते और मटकी

फोड़ कर उसमें रखा मक्खन दही खाते। दहीकादो में मिट्टी फोड़ने की परंपरा इसी लीला की याद में एक भव्य उत्सव की रूप में मनाया जाता है। सांकरा गांव के सामाजिक कार्यकर्ता सुबल दीवान ने बताया कि दहीकादो उत्सव केवल मटकी फोड़ने का खेल नहीं बल्कि ए एकांता साहस और सहयोग का प्रतीक भी है। मानव पिरामिड में सबसे ऊपर पहुंचने वाला गोविंदा तभी मटकी तक पहुंच पाता है।

भंडारा खत्म होते ही सफाई के मोर्चे पर उतरे निगम आयुक्त, सड़कों की प्रेशर वॉशिंग से कराई सफाई

रायगढ़। जन्माष्टमी महोत्सव एवं मेला के दौरान शहर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित भंडारा कार्यक्रमों को देखते हुए नगर निगम द्वारा स्वच्छता की विशेष व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या और भंडारा स्थलों पर उपनयन होने वाले कचरे को ध्यान में रखते हुए निगम की सफाई टीमों को 24×7 तैनात रखा गया। इस दौरान निगम आयुक्त श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय ने सभी भंडारा स्थलों की सफाई व्यवस्था जायजा लिया और स्वयं खड़े होकर सफाई कराई। भंडारा शुरू होने के दौरान से और समाप्त होने के बाद तक निगम के अमले ने तत्काल सफाई करते हुए कचरा एवं खाद्य अवशेष हटाए। भंडारा स्थलों की प्रारंभिक सफाई के बाद सुबह के समय नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय स्वयं मौके पर पहुंचे और खड़े होकर सफाई कार्य का निरीक्षण किया।



उन्होंने वैक्यूम टैंक क्लीनिंग एवं प्रेशर मशीन के माध्यम से पानी की तेज धार से सड़क और भंडारा स्थलों की धुलाई करवाते हुए सफाई व्यवस्था को मौके पर देखा। आयुक्त ने यह सुनिश्चित कराया कि भंडारा आयोजन के कारण सड़क पर रहा गूँथे हुए खाद्य सामग्री के अवशेष, गंदगी और अन्य कचरे को पूरी तरह हटाया जाए तथा धुलाई के बाद स्थल स्वच्छ एवं व्यवस्थित नजर आए। इस दौरान निगम के

सफाई अमले ने मशीनों के माध्यम से प्रमुख सड़कों एवं भंडारा स्थलों की धुलाई की। आयुक्त की मौके पर मौजूदगी में कराई गई यह विशेष सफाई व्यवस्था इस बात को दर्शाती है कि निगम केवल आयोजन के दौरान ही नहीं बल्कि आयोजन समाप्त होने के बाद भी स्वच्छता को लेकर पूरी तरह गंभीर है। आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय ने कहा कि प्रदेश में रायगढ़ की जन्माष्टमी महोत्सव की अलग पहचान है। शहर की इस

बड़े धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसे आयोजनों के दौरान नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने के साथ शहर की स्वच्छता बनाए रखना नगर निगम की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से भंडारा स्थलों पर 24×7 सफाई अमले की तैनाती की गई थी। उन्होंने कहा कि भंडारा समाप्त होने के बाद कचरा उठाने तक सफाई व्यवस्था सीमित नहीं रखी गई, बल्कि सुबह के समय मशीनों से संबंधित स्थानों की प्रेशर वॉशिंग भी कराई गई। मैं स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर यह देख रहा हूं कि सफाई कार्य व्यवस्थित ढंग से हो और किसी भी स्थान पर गंदगी न रहे। आयुक्त ने कहा कि नगर निगम का प्रयास है कि धार्मिक सामाजिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और शहर की स्वच्छता को का विशेष ध्यान रखा जाए।



डॉ. दिलीप लालवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ
फेकी अर्जल एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, CHAMBORE



भास्कर आई केयर
आपका आँखों का क़दम

कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नहीं होता!

प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार

लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज

EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST

निर्दोष लक्षण भजन के पास, हिंदु स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, ईदगाह आन, रायपुर (छ.ग.)

07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर

9827144197, 9827144777

मूत्र रोग एवं सर्जरी

किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज

प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज

यौन संबंधी समस्याएं

महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrMB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

